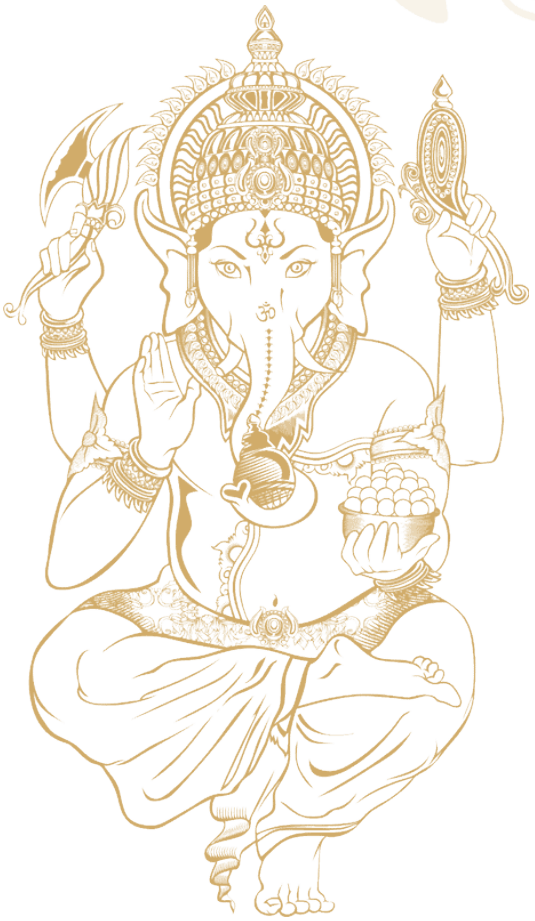

Raghav

Simaran

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121023002

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
01/02/1998	जन्म तिथि	30/10/2000
रविवार	दिन	सोमवार
घंटे 16:05:00	जन्म समय	15:33:00 घंटे
घटी 22:21:34	जन्म समय(घटी)	22:36:07 घटी
India	देश	India
Meerut	स्थान	Delhi
29:00:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
77:42:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:19:12	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:08:22	सूर्योदय	06:32:03
17:57:28	सूर्यास्त	17:37:22
23:49:45	चित्रपक्षीय अयनांश	23:51:49

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
शनि 1वर्ष 9मा 27दि		25:26:30	मिथु	लग्न	मीन	01:50:42	बुध 12वर्ष 10मा 19दि	
शुक्र		18:32:03	मक	सूर्य	तुला	13:25:29	शुक्र	
30/11/2023		15:23:08	मीन	चंद्र	वृश्चि	19:53:33	19/09/2020	
30/11/2043		11:43:39	कुंभ	मंगल	कन्या	03:15:23	19/09/2040	
शुक्र	01/04/2027	04:18:20	मक	बुध व	तुला	12:40:23	शुक्र	19/01/2024
सूर्य	31/03/2028	05:27:32	कुंभ	गुरु व	वृष	15:48:50	सूर्य	19/01/2025
चन्द्र	30/11/2029	25:02:35	धनु व	शुक्र	वृश्चि	19:39:25	चन्द्र	19/09/2026
मंगल	30/01/2031	21:38:45	मीन	शनि व	वृष	05:12:17	मंगल	20/11/2027
राहु	29/01/2034	16:56:19	सिंह	राहु व	मिथु	24:08:48	राहु	19/11/2030
गुरु	29/09/2036	16:56:19	कुंभ	केतु व	धनु	24:08:48	गुरु	20/07/2033
शनि	30/11/2039	15:05:09	मक	हर्ष	मक	23:02:15	शनि	19/09/2036
बुध	30/09/2042	06:17:43	मक	नेप	मक	09:59:18	बुध	21/07/2039
केतु	30/11/2043	13:49:28	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	17:34:23	केतु	19/09/2040

लग्न-चलित

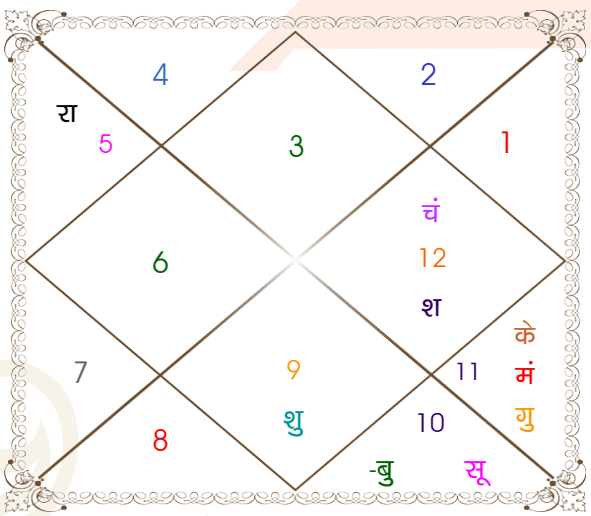

लग्न-चलित

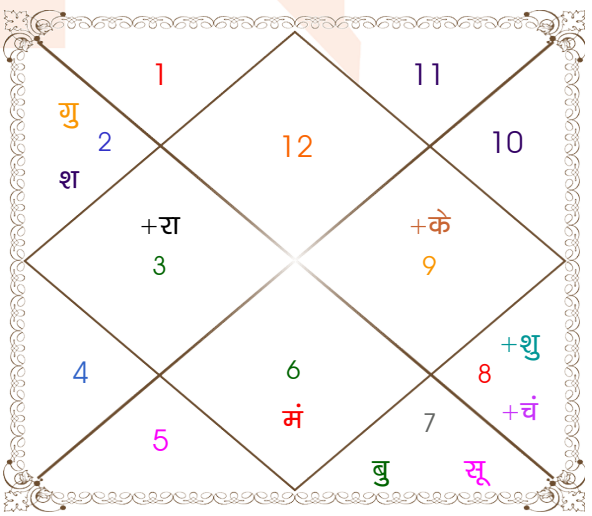

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	विप्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	कीटक	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	अतिमित्र	सम्पत	3	3.00	--	भाग्य
योनि	गौ	मृग	4	3.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	मंगल	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	राक्षस	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	मीन	वृश्चिक	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	21.00		

गणदोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता है।

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

Raghav का वर्ग सिंह है तथा Simaran का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Raghav और Simaran का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

Raghav मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में नवम् भाव में स्थित है।

Simaran मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

सप्तमो यदा भौमः गुरूणां च निरीक्षिता।
तदास्तु सर्वसौख्यं च मंगली दोषनाशकृत्।।

सप्तम मंगल को गुरु देखता हो मंगली दोष कट जाता है।

क्योंकि Simaran कि कुण्डली में सप्तम मंगल को गुरु देखता है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Raghav कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Raghav तथा Simaran में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।